

विजयशील वि. (तत्.) 1. सदा विजय प्राप्त करने में प्रवृत्त रहने वाला 2. विजय करने वाला।

विजयसार पुं. (तत्.) वन में पाया जाने वाला साल की तरह का एक बड़ा वृक्ष जिसकी लकड़ी का उपयोग भवन आदि बनाने के लिए किया जाता है।

विजयसिद्धि स्त्री. (तत्.) 1. किसी विवाद या प्रतियोगिता में विजय की प्राप्ति 2. विजय की सफलता 3. जीत।

विजयस्थूण पुं. (तत्.) 1. विजय के प्रतीक के रूप में लोहे आदि का बना खंभा 2. विजय-स्तंभ।

विजयस्मारक पुं. (तत्.) किसी महान विजय की उपलब्धि में स्मृति रूप बनायी गई गौरवशाली ऊँची इमारत।

विजया स्त्री. (तत्.) 1. दुर्गा देवी 2. पार्वती 3. भाँग 4. हरीतकी, हर या हरड़ 5. सिद्धि 6. श्री कृष्ण की माला का नाम 7. आश्विन शुक्ल पक्ष की दशमी, विजयादशमी **छंद** 1. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः 32 वर्ण होते हैं, प्रत्येक आठ वर्ण पर यति होती है तथा अंत में लघु-गुरु या नगण होता है 2. एक सममात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में चालीस मात्राएँ तथा प्रत्येक दस मात्रा पर यति होती है 3. दस मात्राओं का एक मात्रिक छंद जिसके चारों पदों की वर्ण संख्या समान नहीं रहती तथा जिसके अंत में रगण रखना अच्छा समझा जाता है।

विजयादशमी स्त्री. (तत्.) 1. आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि जो हिंदुओं के प्रमुख त्योहार 'दशहरा' के रूप में प्रसिद्ध है। यह तिथि राम की रावण पर विजय की प्रतीक है।

विजयाभ्युपाय पुं. (तत्.) विजय प्राप्त करने के लिए किये जाने वाले विशेष उपाय, प्रयत्न।

विजयासप्तमी स्त्री. (तत्.) किसी भी मास की वह सप्तमी जो शुक्ल पक्ष में रविवार को पड़ती हो।

विजयास्त्र पुं. (तत्.) 1. युद्ध में विजय प्राप्ति में सहायक या विजय प्राप्ति कराने वाला एक विशेष प्रकार का अस्त्र 2. किसी प्रकार की सफलता प्राप्त करने के लिए सुनिश्चित कोई उपाय या साधन।

विजयी वि. (तत्.) 1. विजय प्राप्त करने वाला, विक्रेता 2. किसी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने वाला विलो. पराजित।

विजयोत्सव पुं. (तत्.) 1. विजय मिलने पर मनाया जाने वाला उत्सव 2. किसी ऐतिहासिक विजय के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष संपन्न होने वाला उत्सव जैसे- कारगिल विजय 3. विजयादशमी का उत्सव, पर्व।

विजल वि. (तत्.) 1 जो जलरहित हो, निर्जल पुं. वर्षा का अभाव, अवर्षण।

विजल्प पुं. (तत्.) 1. व्यर्थ की होने वाली बकवाद, बिना मतलब की जाने वाली बातें 2. निंदनीय बात 3. विद्वेषयुक्त बातचीत।

विजल्पन पुं. (तत्.) 1. व्यर्थ की बकवास 2. बहुत अधिक बोलना 3. किसी के बारे में विद्वेष पूर्ण की गई बात 4. किसी से अस्पष्ट रूप से प्रश्न करना।

विजात वि. (तत्.) 1. जो उत्पन्न हुआ हो 2. वर्णसंकर दो जातियों से उत्पन्न, दोगला 3. पुं. सखी छंद का एक भेद जिसके आदि (छंद) में ह्रस्व हो।

विजाता स्त्री. (तत्.) 1. वह स्त्री जिसके कुछ दिन पहले ही संतान उत्पन्न हुई हो 2. जननी 3. जारज कन्या।

विजाति वि. (तत्.) 1. जो भिन्न या अन्य जाति का हो 2. दूसरे किस्म का (स्त्री.) 3. भिन्न जाति, दूसरी जाति, भिन्न वर्ण **छंद** एक सममात्रिक छंद जिसमें चौदह मात्राएँ तथा आदि में लघु होता है।

विजातीय वि. (तत्.) जो अपनी जाति से भिन्न जाति का हो, दूसरी जाति या वर्ग का 2. विलो. भिन्न वर्ग का स्वजातीय।